



मातृभाषा हिन्दी में

स्वागत  
WELCOME

Calling.....



JAIPUR  
INTERNATIONAL  
FILM  
FESTIVAL



## में जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल ट्रस्ट

2009-10 से जिफ का आयोजन कर रही हूं, सामाजिक गतिविधियों के आयोजन में भी शरीक हूं फिल्म कल्चर को बढ़ावा देने के लिये, जिनमें फिल्म फेस्टीवल सबसे प्रमुख है

इस साल WORLD'S LARGEST & MOST SECURE FILM LIBRARY की शुरुआत होने को है.

में प्रेम चौपरा, हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर राजीव अरोरा और हनु रोज (L to R)

हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर को लाईफ टाईम अचिवमेंट अवार्ड देते हुये.

इसके पहले राजश्री प्रोडक्शन, जया बच्चन, आशा पारेख तथा 2015 में दिलीप कुमार और माजिद मजिदी (ईरान) को इस अवार्ड से नवाजा गया.











airtel  
4<sup>th</sup> JIFF







# INTERNATIONAL CO PRODUCTION MEET 2020

इंटरनेशनल को - प्रोडक्शन मीट में शामिल हुए 25 देशों के फिल्म निर्माता  
इंडिया-चायना-जापान के बीच 60 करोड़ बजट फिल्मस के हुये एम ओ यू



# INTERNATIONAL CO PRODUCTION MEET 2019



# INTERNATIONAL CO PRODUCTION MEET 2018



# INTERNATIONAL CO PRODUCTION MEET 2017



## INTERNATIONAL CO-PRODUCTION MEET @ JIFF 2017



**"I never seen in India like this co-production meet, well planned and well managed"**

**Hariharan - noted film maker from South India**



## OUR AIM

is not confined to the organization of a film festival/s. We are constantly putting our efforts to make the city of Jaipur a **cinema hub** and transform the state of Rajasthan into a **film archive**.

## THE PURPOSE AND REGISTRATION

The purpose of the film festival is to promote exchange of knowledge, information, ideas and culture between India and different nations in the context of their social and cultural ethos; and promoting friendship and co-operation among people of the world through the medium of films and documentaries.

**We would like to present Rajasthan as a 'MODEL STATE on the world dais.**

Our efforts will be to display a new Rajasthan which is capable enough to come out of an orthodox view and compete with the world at any level.

**International Film Festivals Association- IFFA:**

IFFA is the latest concept in which we plan to bring together maximum number of film festivals from around the globe. Through this association, we will bring out the BEST film from all around the Globe.



2014 से जिफ को पांच भागों में बांटकर आयोजित किया जा रहा है और किया जायेगा:-

- जिफ
- फिल्म मार्केट
- को-प्रोडक्शन
- रिजनल सिनेमा
- विशेष सत्र एवं वर्कशॉप-सेमिनार तथा
- पब्लिकेशंस.











NILE

K. S. MOTORS LTD.  
M. 1. ROAD, JAIPUR PH. 014181, 014181 (BHOPLA), 24033, 240104 (INDORE)

R.D. ROSE

Mahindra



## मेरी पहचान और विकास



मेरा आयोजन पहली बार जयपुर में जनवरी 2009 में हुआ.

मेरा आगाज जयपुर के सबसे पुराने और पहले सिनेमा हाल "रामप्रकाश" जो जलेबी चौक के पास है से मशाल यात्रा और RAC के बैंड वादन से हुआ.

आयोजन फिल्म भवन में 31 जनवरी और 1 फरवरी 2009 को हुआ.

प्रथम आयोजन में 8 देशों से प्राप्त 150 फिल्मों में से चयनित 56 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया.

लगभग 5000 लोग इस आयोजन में शरीक हुये.

पहला आयोजन मात्र 47 दिन की अथक मेहनत के बाद हो सका.

मैं प्रतिवर्ष आयोजित होते आया हूं.

अब तक मेरे 8 आयोजन हो चुके हैं. जिसको आप आगे एक ग्राफ के माध्यम से देख और समझ सकते हैं.

## मेरी विकास यात्रा साल दर साल...

वर्ष	फिल्म प्राप्त हुई	फिल्म प्रदर्शित	देश	वेन्यू/स्क्रीन	उदघाटन	दर्शक
2009	150	59	8	1/1	लोगों के एक समूह द्वारा	5000
2010	350	87	41	1/1	महान फिल्म मेकर श्री गुरु दत्त के पुत्र श्री अरुण दत्त द्वारा	10000
2011	650	144	67	2/3	श्री अशोक गहलोत और बीना काक	15000
2012	917	179	70	6/6	श्रीमती जया बच्चन	18000
2013	1397	217	90	7/10	श्रीमती हेमा मालिनी	20000
2014	1587	156+156	90+	2/4	लोगों के एक समूह द्वारा	20000
2015	1807	159	100+	3/4	श्री अनुपम खेर और शाजी एन. करुन	20000
2016	2176	152	100+	6/7	श्री प्रकाश झा	25000
2017	2004	134	100+	3/4	श्री रमेश प्रसाद	
2018	2019	136	100+	2/3	श्री सुरेन्द्र बोहरा और गूप	
2019	2221	232	103	6/7	कला एवं संस्कृति मंत्री श्री बी डी कल्ला और 25 देशों के फिल्मकार	
2020	2411	240	100+	7/9	मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत और पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह	

मैं अनंत यात्रा को तैयार हूँ...



Welcome to Movie Land

**airtel**

**4<sup>th</sup> JIFF**  
2012


**JAIPUR INTERNATIONAL  
FILM FESTIVAL**  
27-31 January 2012

- 5 days ...
- 7 Venue ...
- 178 films ...
- 70 countries

विश्व का श्रेष्ठ  
सिनेमा जयपुर में

सह संयोजक  
जयपुर

**JIFF**  
JAIPUR INTERNATIONAL  
FILM FESTIVAL



*Whatever kind  
of films you make,  
be it a  
documentary  
or a fiction film,  
you ought to have  
to have a  
connection  
of that kind.*

Shyam Benegal  
विश्व का श्रेष्ठ  
सिनेमा जयपुर में...



शहर में मेरा विस्तार  
फिल्म भवन से:-

जवाहर कला केन्द्र, OTS, सिटी पैलेस, बिरला ऑडिटोरियम, जल महल, राजमन्दिर, गोलछा सिनेमा, बनिपार्क स्पेस, फन स्टार, गोलछा ट्रेड सेंटर, चेम्बर भवन, MGD स्कूल, महारानी कालेज, पिंक स्क्वायर, मनिपाल विश्वविद्यालय, प्रेस क्लब आदि वेन्यूज पर मेरा आयोजन हो चुका है.









## मशाल रैली निकाली

टरनेशनल फिल्म  
आज से

नवम्बर। जयपुर फिल्म क्लब की ओर से  
हो रहे थे दिवसीय 'जयपुर इन्टरनेशनल  
फिल्म-09' के तहत शुक्रवार को शहर में  
निकाली गई। रैली शाम साढ़े पांच बजे



## जिफ कैसे खास बना:

जिफ ने विश्व भर के फिल्म मेकर्स को एक पारदर्शी, ईमानदार मंच उपलब्ध कराया, जिफ फिल्म मेकर्स को एक नई पहचान देता है. अन्य की तरह केवल बड़े चेहरे बुलाकर इवेंट को प्रमोट नहीं करता ताकी मोटी स्पॉन्सरशिप कबाडी जाये. इसमें खुद फिल्म मेकर्स बतौर एंटी फीस सहयोग करते है.







मुझे अभी तो लम्बी  
यात्रा तय करनी है.

मेरी अब तक 8 वर्ष की अल्प  
आयु यात्रा में 100 देश, 18  
वेन्यु, लगभग 1 लाख लोग,  
हजारों फिल्म मेकर्स और  
कालाकारों और 100+ देशों का  
मीडिया, लगभग 100 लोगों  
की एक टीम, 100 से ज्यादा  
स्पोंसर, भारत सरकार और  
राजस्थान सरकार का  
सहयोग/भागीदारी प्राप्त हुई है.





मैंने अब तक जो  
पाया है उससे मेरी  
पहचान और मजबूत  
हो सकेगी.

## जिफ ने रचे हैं राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान

- महज 7 साल में 100+ देशों तक पहुंच का विश्व कीर्तिमान.
- जिफ में पुरस्कृत/प्रदर्शित 32 भारतीय फिल्मों को नेशनल फिल्म पुरस्कार.
- एक साथ जिफ को 11 स्क्रीन पर आयोजित करने का भारतीय रिकार्ड.
- फिल्म मार्केट तथा को-प्रोडक्शन का बढ़ता विश्वव्यापी दायरा
- 2014 में एक दर्जन से ज्यादा ऑस्कर में नामिनेटेड फिल्मों का जिफ में आना महज कोई संयोग तो नहीं हो सकता !!!
- अब तक भारत और विश्व भर से बेहतर कलात्मक, संदेशप्रद और उपयोगी सिनेमा बनाने वाले अधिकांश फिल्म मेकर्स जिफ से जुड़ चुके हैं.



- मैंने अब तक जो पाया है उससे मेरी पहचान और मजबूत हो सकेगी.

## जिफ ने रचे हैं राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान

- जिफ विश्व का ऐसा पहला समारोह बन गया है जिसने सबसे कम समय में सबसे ज्यादा प्रोग्राम लांच किये हो .
- जिफ अब ऑनलाईन रैटिंग ,युजरस और वेब ट्रेफ़ीक में भारत का सबसे ज्यादा पापुलर फिल्म समारोह बन गया है .और अब जिफ भारत का सबसे बड़ा फिल्म समारोह बनने की ओर अग्रसर है .
- जिफ दुनिया का एक मात्र ऐसा फिल्म समारोह है जिसमें सबसे छोटी और सबसे यंग टीम हैं.











**जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल-जिफ** एक मिशाल है, जिफ एक तोहफा है राजस्थान को, जिफ एक व्यावहारिक कार्य है जो राजस्थान के पर्यटन, कला और संस्कृति को, राजस्थान के चरित्र को विश्व फलक पर काबिज करवा सकता है. जिफ से राजस्थान को जो हासिल हो सकता है वो अनंत है.

BRINGING  
WORLD CINEMA  
TO JAIPUR

WELCOME  
**JIFF  
2010**  
Jaipur  
International  
Film Festival  
2010, INDIA  
29, 30 & 31 January

*The only solutions that are ever worth anything are the solutions that people find themselves.*

Satyajit Ray



BRINGING  
WORLD CINEMA  
TO JAIPUR

WELCOME  
**JIFF  
2010**  
Jaipur  
International  
Film Festival  
2010, INDIA  
29, 30 & 31 January

*The only solutions that are ever worth anything are the solutions that people find themselves.*

Satyajit Ray





Jaipur Calling...

**Jiff**

February 1 to 5, 2018

पिंकसिटी में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का जलवा

जयपुर

18:39 महिला T-20 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप

Mritsar, Navi-Mumbai, Aurangabad, Sholapur, Allaha



लाईव टेलिकास्ट



एक 24 साल के नौजवान ने बिना किसी अनुभव के जब जिफ को शुरू किया था तो कई सवाल खड़े थे-ये कैसे होगा? आगे होगा या नहीं? धन कहां से आयेगा? क्या एक छोटे से शहर में ऐसा मुमकिन हैं? ये सब सवाल अब इतिहास हैं और आज जिफ पूरे विश्व के फिल्म फेस्टीवल्स के इतिहास में नये मानक गढ़ रहा है. इस यात्रा की एक ही कहानी है जो कड़ी मेहनत, लगातार शोध और अनवरत संवाद तथा ईमानदारी से बनी है. सही दिशा में, सब के हित से जुड़ा जिफ बिना हतोत्साहीत हुये आयोजित होते रहा है और होते रहेगा.

ऑस्कर विजेता मार्क बाशित (फ्रांस से, जिनको जिफ ने भारत में लांच किया) जिफ 2012 और 13 में पहली बार जयपुर और भारत आये. को-प्रोडक्शन और फिल्म मार्केट में भाग लिया. अगले साल करन जौहुर, NFDC, UTV के साथ मिलकर "लंच बॉक्स" फिल्म (जयपुर के इरफान खान इसमें मुख्य कलाकार थे) के को-प्रोड्यूसर बने.

जिफ 2013 की बेस्ट डोक्युमेंट्री फिल्म पर आधारित अभिनेत्री माधुरी दीक्षित वाली फिल्म "गुलाबी गैंग" बनी और इसी साल की बेस्ट हिन्दी फीचर फिल्म "फिल्मीस्तान" 6 जन को सलमान खान के सहयोग से रिलीज हुई.



Exclusive Partner



Jaipur Calling.....

Exclusive Partner




**Jiff**  
**JAIPUR INTERNATIONAL FILM FESTIVAL**  
 February 1 to 5, 2014

**5 DAYS**

**90+ COUNTRIES**

**13 OSCAR'S FILMS**

**9+ FILMS**

india.org








अब मैं राजस्थान  
के पर्यटन, कला  
और संस्कृति का  
वैश्विक वाहक.

जिफ राजस्थान के पर्यटन को आने  
वाले समय में 20 % तक ज्यादा  
बढा सकता है और जिफ के तहत  
2-5 साल में 30000+ से ज्यादा  
पर्यटकों को राज्य की ओर खींचा  
जा सकता है. ये हवाई कल्पना  
नहीं हकीकत है.

लाईफस्टाईल, होटल, रीयल एस्टेट,  
ज्वैलरी, बैंकिंग, ऑटोमोबाईल  
आदि व्यवसायों को इसे भरपुर  
लाभ.









जिफ में को-प्रोडक्शन और फिल्म मार्केट के तहत अनेक देश विदेश के फिल्म मेकर्स राजस्थान आ सकेंगे और फिल्म निर्माण कर सकेंगे. इससे रोजगार के अवसर बढेंगे.





# उद्घाटन जिफ



2012



2011



2010



2009





2014



2013

वर्कशॉप और सेमिनार्स

2015



2016



2017



2018



2019

आर्यन जिफ़ - 2019 का भव्य आगाज़ कला एवं संस्कृति मंत्री श्री बी डी कल्ला और 25 देशों के फ़िल्मकारों ने शुक्रवार 18 जनवरी की शाम को दीप प्रज्वलित कर किया।



2020

**State Chief Minister Ashok Gehlot** attended the event as the Chief Guest. At the same time, **State Tourism Minister Vishvendra Singh** added grace to the Opening Ceremony as Special Guest.



# वर्कशॉप और सेमिनार्स





# लाईफ टाईम अचिवमेंट अवार्ड



2014 में राजश्री प्रोडक्शंस को



2012 में जया बच्चन को



2013 में शर्मिला टैगोर को



2011 में आशा पारेख को

## लाईफ टाईम अचिवमेंट अवार्ड

2015 में दिलीप कुमार (उनके बिहाफ पर अनुपम खेर अवार्ड प्राप्त करते हुए) और ईरान से माजिद मजिदी को



2016 श्री प्रकाश झा



2017 श्री रमेश प्रसाद



# 2018 श्री सुरेन्द्र बोहरा



# 2019 श्री रॉबिन भट्ट



2020

PREM CHOPRA was awarded JIFF 2020 - Evergreen Star Achievement Award  
*Padma Shri* Shaji N. Karun honoured with – JIFF 2020 Outstanding Lifetime  
Achievement Award



अपनी पहचान के लिये कई देशों की धरती पर गया और जाता रहूंगा।



ईरान में



कांस (फ्रांस) में

लगभग 200 देशों में मेरा सीधा नेटवर्क है.

जर्मनी, दुबई, यू. ए. ई. फ्रांस, इटली, ईरान, अमेरीका, कनाडा, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, स्वीटजर्लैण्ड, जापान, आस्ट्रेलिया, रूस आदि कई देशों में मेरे अच्छे दोस्ताना सम्पर्क और रिश्ते हैं.



मेरे देश भारत में भी अपनी पहचान के लिये सभी राज्यों में सीधे मुखमंत्री, मंत्री, अधिकारियों से पत्राचार के माध्यम से और कला से जुड़े स्थलों पर और महानगरों में जाता रहा हूं और जाता रहूंगा!



प्रेस कांफ्रेंस, पोस्टरस, आउटडोर होर्डिंग्स, फ्लायर्स, इंडिया पोस्ट के साथ हजारों पोस्ट आदि के माध्यम से जिफ का प्रचार प्रसार लगातार किया जाता रहा है और किया जा रहा है



WELCOME TO MOVIE LAND

www.jiffindia.org

5TH Jiff

JANUARY 30 to FEBRUARY 3

JAIPUR  
INTERNATIONAL  
FILM  
FESTIVAL

90 Countries  
217 Films  
9 Venues  
5 Days

विश्व का श्रेष्ठ सिनेमा जयपुर में...

Main venue: Golcha Cinema  
Helpline: 0141 6500601

# जयपुर में आउटडोर



पोस्टर, आउटडोर,  
फिल्म मेकर्स से सिधे  
मुलाकात गोवा में



Jaipur Calling.....



**Jiff**

February

JAIPUR  
INTERNATIONAL  
**FILM**  
FESTIVAL

1 to 5, 2014

5 Days

90+ Countries

13 Oscar  
nominated films

129+ Films  
from all over the world

Venue: Rajmandir Cinema, Golcha Cinema &  
Chambar Bhawan - RCCI

Helpline: +91-0141-6500601

[www.jiffindia.org](http://www.jiffindia.org)



## मीडिया में...

**-मधु शर्मा**  
मीडिया ने खाली सिनेमाघर की तस्वीरें छाप-छाप कर खूब आलोचना की और चौथे जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल को फ्लाप ठहराने में कोई कसर नहीं रखी पर किसी शो में कम और किसी शो में खचाखच भरे दर्शकों ने पांच दिन तक (27 से 31 जनवरी) देश-विदेश की बेहतरीन फिल्मों का आनंद लिया। इस बार

Welcome to Movie Land!!

**-Rajasthan Patrika**

The Red Carpet Award Ceremony at the Royal Venue .

**-Dainik Bhaskar**

The selection of films in this festival was excellent.

**-Dainik Navjyoti**

The Jaipur International Film Festival (JIIF) fever is catching up with art and culture enthusiasts in the state. The festival will offer an opportunity for filmmakers of short films to witness movies from different culture.

**-Times of India**

The film enthusiasts will find a treasure trove of films from world over at the five-day event starting January 27<sup>th</sup>. One will be able to find Europe, Asia, America and Africa under one roof at the festival.

**-Hindustan Times**

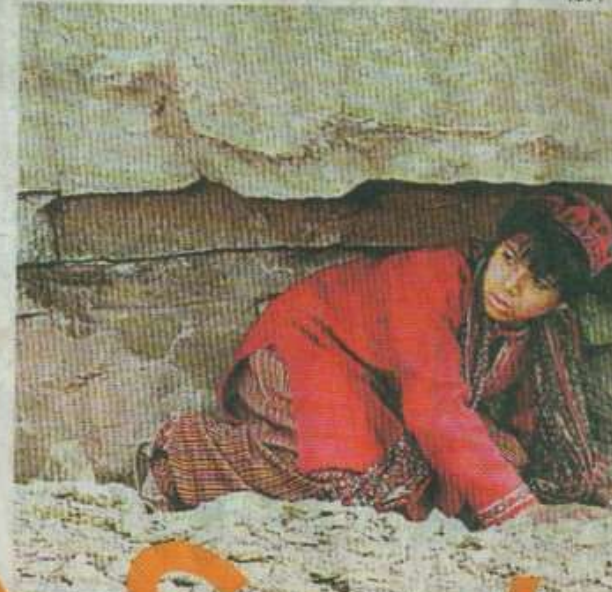
**JIFF**  
2009  
India

पहला जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 31

फिल्म

**6** देश **58** फिल्में **32** के बीच कॉम्पिटिशन

गुलाबी नगर में पहली बार आयोजित हो रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज अश्विन कुमार निर्देशित और ऑस्कर नॉमिनी फिल्म 'लिटल टेररिस्ट' से होगा। 31 जनवरी से शुरू हो रहे इस दो दिवसीय फेस्टिवल में छह देशों की कुल 58 फिल्मों का प्रदर्शन होगा। इनमें से 32 शॉर्ट फिल्में कॉम्पिटिशन में हैं। बाकी फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इन शॉर्ट एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की अधिकतम समयावधि 30 मिनट है।



**आगाज 'लिटल टेररिस्ट'**

कल मशाल रिले

फेस्टिवल की शुरुआत से एक दिन पहले शकवार को हवामहल के पास स्थित



पुरस्कारों  
की कैटेगरी





A dance presentation at the JIFF show held recently. HT

# JIFF's festive bonanza

Radheshyam Tewari

WHEN THE entire Bollywood was celebrating and discussing about British film *Stumdog Millionaire*, a group of enthusiastic young film lovers were busy exploring the possibilities of an international film festival in the city.

Finally they collected 60 short and documentary films, besides two feature films from India and Pakistan for screening during the two-day film festival. For many movie fans who seek escape for sentimental tales of the beautiful and wealthy, the festival was a treat to the eyes.

"I know very few will appreciate our efforts. But at least we started such a movement in the state. Such festivals energize the spirit of the writers and the directors," said writer and journalist Dr Dushyant.

Best part of the festival was that most of the short films were convincingly real. Many

of the films not only unpretentiously capture the fear, paranoia and exhilaration of different sections of society, but also give an idea how precarious life is for millions of people.

Rajendra Payal one of the pioneers of the festival spoke about the objectives of the festival. "There must be a public platform for budding and talented filmmakers of the country to show their works which are rejected by the cosmopolitan film festivals. Those who have participated in the festival are lesser known short film makers without any marketing avenues. But they want to be recognised for their love of real cinema." An organiser, Hanuman Chaudhery said, "The aim is to host and promote the festivals a people's event, striving to attain a stature and niche of its own on the world platform in future."

The writer is a freelance writer

# Jaipur film festival in January 2010

Hindustan Times  
23/09/09

Neha Arha

live@hindustantimes.com

Preparations are being made on a war footing for the upcoming Jaipur International Film Festival in January 2010. The three-day film festival, beginning on January 29, is expected to showcase movies from Afghanistan, Iran, Iraq and Pakistan.

The JIFF in its second year has much more to offer inviting entries for short film (fiction) and documentary (non-fiction) from across 100 countries. Film directors, film-clubs, film societies, and production houses from across the globe will come to the festival. Afghanistan, South Africa, Sri Lanka, Germany, United States and Canada have confirmed their participation so far.

On being asked why the special focus on these West Asian nations, JIFF Founder, Hanu Roj said, "Our effort this time

is consolidated to get a closer view of the 'war on terror' scenario in these countries where the public life is affected. This will be a good opportunity to get the real picture from within and from the mouths of those who have been impacted directly." Roj has been actively involved in getting speakers and filmmakers from these West Asian nations. The event will capture the holocaust through films and documentaries.

"Films have always been a good medium for portraying events and building bonds. In the times when the city is sensitised already, such an international quality venture will definitely make an impact," said Raj Bansal, a member of the Advisory Board, JIFF.

He added, "Speaking from the angle of pure entertainment value, film lovers in Jaipur will witness foreign films and documentaries in large numbers."

The festival will honour var-

ious films in categories such as best director, best script, best camera, best sound and best editing. The films will be showcased in Film Bhavan Auditorium, Jawahar Kala Kendra and selected Cinema Hall's across the city. Passes will be made available to the audience.

The first of its kind in the city, the JIFF will be seen broadening its scope to include Ad films and Animation films by 2012. Sharing his future plans, Hanu said, "We wish to close the five-year film festival in the city by celebrating the Golden Jubilee Year of Indian Cinema. Hopefully we will get support from Directors such as Shyam Benegal who missed the event in January, but is looking forward to the upcoming one."

The first JIFF held in January 2009 saw over 3,500 film lovers and film-makers visiting the city. Fifty-eight films and two-feature film were screened.



## Star shower at JIFF 2012

Filmmakers from India and the West apart, actors will be part of the event, too

**90** देशों का फिल्मी कलचर

**217** फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्ममें स्क्रीन पर

**5** दिन का फेस्टिवल

**8** वेन्यू

**16** सेमिनार और वर्कशॉप

**28** कैटेगरी में मिलेंगे अवॉर्ड

हिंदी सिनेमा के सफलता के 100 वर्ष के विभिन्न रंग जयपुर फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई दे रहे हैं। फिल्मों के प्रदर्शन से लेकर वर्कशॉप व सेमिनार में इतिहास छलक रहा है।

# संवाद और अभिनय का मेला

## फिल्म फेस्टिवल

• सुरेन्द्र हागवाड़ा, जयपुर पोस्ट •

कला और संस्कृति के शहर जयपुर के कैलेंडर में एक और फेस्टिवल का नाम जुड़ रहा है। वो है जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (जिफ)। कैलेंडर में तारीख तो वर्ष 2009 में ही जुड़ गई थी, लेकिन पहचान अब मिलने लगी है। बुधवार को जब घड़ी की सुइयों 6 बजाने लगीं, तब बॉलीवुड ड्रीमगर्ल हेमा मालिनी ने उद्घाटन किया। इसके बाद शुरू हुआ फिल्मों के प्रदर्शन का गणित। दर्शक वेन्यू दूढ़ते, एक्टर-अक्ट्रेसर कहानी की बातें करते सिनेमा हॉल में प्रवेश करते हैं और बाहर आते हैं संवाद, अभिनय, स्क्रीनप्ले, डायरेक्शन और एडिटिंग की नौजबान लेकर।

**ऑस्कर, बर्लिन, कांस की फिल्में**

फेस्ट में 11 फिल्में शामिल हुई हैं जो कांस, ऑस्कर, बर्लिन, बसान, टोरंटो, मुंबई फेस्ट में शिरकत कर चुकी हैं। इसमें 8 कांस की हैं। कांस में से जर्मनी की 1000 ग्राम्स, इंडिया की मुंबई और ग्रीस की दी एटिक, इंडिया की जलपरी, स्विट्जरलैंड की प्रीरा, ऑस्ट्रेलिया की दी टेलीग्राम मैन, इटली की खीरजई और फ्रांस की दी ब्यूटी प्रमुख हैं। ऑस्कर से यूएसए की फटका, टोरंटो फेस्ट से इजराइल व यूएसए की आउट इन द डार्क, बसान फेस्ट से अर्जेंटीना की दी मिसिंग लुक्स, इंडिया की फिमिलेस्तान भी है।

**स्पेन गेस्ट कंट्री**

स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए इस बार 9 फिल्मों के साथ

स्पेन को गेस्ट कंट्री बनाया है। इसमें रिवरबेशन, द पर्ल ऑफ जॉर्ज, प्री क्विक, डेमेड, जैसलमेर, वॉट इज द प्राइज?, वाई डू हायनाज लॉफ, प्री हा प्रमुख हैं।

**गांधी को सिनेमा ने जिंदा रखा**

दैनिक भास्कर के वरिष्ठ स्तंभकार जयप्रकाश चौकसे कहते हैं कि हिंदुस्तानी सिनेमा पर महात्मा गांधी का प्रभाव शुरू से रहा। यह एक बड़ी सच्चाई है कि समाज ने भले ही गांधी को भुला दिया हो पर सिनेमा ने सौ साल तक आज भी गांधी को जिंदा रखा है। हिमांशु राय की अहूत कन्या से लेकर हाल ही रिलीज थ्री इंडियंस तक में गांधी विचारों का प्रभाव रहा। वहीं तीन घंटे की फिल्म हमारा अपना आविष्कार है। बीच में अपनी खाने-पीने की परंपरागत आदत को देखते हुए हमने ही फिल्म के बीच इंटरवल का कॉन्सेप्ट पैदा किया। वैसे हर देश का सिनेमा वैसा ही होता है जैसा वहां का खाना होता है।

वही सिनेमा के शताब्दी वर्ष का सेलिब्रेशन मुझे भर लोगों के बीच करना संभव नहीं है। अभिनेता प्रेम चोपड़ा कहते हैं, अभिनेता का एक ही उद्देश्य होता है धर्म, जाति, संप्रदाय से ऊपर उठकर सिर्फ अभिनय करना। उनका मकसद हमेशा दर्शकों की ज्वादा से ज्वादा मोहब्बत पाना और देना रहता है। सिनेमा को उद्योग का दर्जा नहीं ही मिल गया है पर सरकारी सहयोग आज भी नहीं के बराबर है। सरकार सिनेमा पर कई तरह से कर लगाती है। सर्विस टैक्स लेते हैं, पर पायरेसी पर कोई निबंधन नहीं है। इधर अभिव्यक्ति की पूरी आजादी भी नहीं है। इनके साथ ही इला अरुण, प्रसून सिन्हा ने भारतीय सिनेमा के सौ वर्ष पर बातें कीं।



जिफ के दौरान राज राज गैलेरी सिनेमा।



हिंदी सिनेमा में गैलेरी का पहलू कबी वर्ष 1960 की खूबसूरत फिल्म 'गुलरो आजम' और भारतीय सिनेमा की पहली सिनेमैटोग्राफ फिल्म वर्ष 1959 की 'कलश के फूल' ने दूसरे दिन महफिल जमाई।

## After lit treat, it's films

**स्क्रीन गोलेशा सिनेमा, गोलेशा ट्रेड सेंटर, चैम्बर भवन, महारानी कॉलेज, एमजीडी स्कूल, पर्ल एकेडमी, फन और स्पेस सिनेमा।**

राजस्थान पब्लिसिटी में राजस्थानी की 21 फिल्म, शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन है। इनके राजस्थानी के नाम पर रिश्ते 'अवैरी' और 'चूंसी अंदाली खलौ वीर' ही हैं। चूंसी का प्रदर्शन शुक्रवार को गोलेशा सिनेमा में सुबह 9:30 बजे होगा।

**आलम आरा और भारतीय सिनेमा**

राजेश खन्ना व कामदे ने चैम्बर भवन में भारतीय सिनेमा की पहली धरोहरों फिल्म 'आलम आरा' को जोड़ा। सिनेमा सल्लित 27 पुस्तकें लिख चुके कामदे ने कहा कि इमारतियल कलाओं की यह फिल्म मुंबई के गिरावड़ स्थित मेजॉस्टिक सिनेमा में दोहरा 3 बजे लाइव शो गवर्नर ले रिलीज की थी। उन्होंने फिल्म की कथापन, गीत-संगीत के बारे में चित्रक किया।

**जयपुर में पहली आउटडोर शूटिंग**

चौकसे ने कहा कि हिमांशु राय ने अपनी बुद्धिजीवी जीवन फिल्मों की शूटिंग वर्ष 1925-1927 के बीच जयपुर में की। इसमें लाइव अंडर एड्रिंग, रिस्का प्रमुख हैं। वहीं जयपुर में 'मेवाड़ रो मयावी' फिल्म की शूटिंग में जूनिवर ऑर्टिस्ट कलेज मल्लख खान को फिल्म के डायरेक्टर ने पहचान और ओर बढ़ाया। उन्होंने मल्लख खान ने अगले चारवर्क 'अमर इंडिया' बनाई।

**आज खास**

शुक्रवार सुबह 10 बजे चैम्बर भवन में रिलीजेशन ऑफ एडिटिंग इन सिनेमा पर सेमिनार होगा। इसमें इला अरुण, प्रेम चोपड़ा, लीला फेडकोव और रंजु वृथावत वक्ता होंगे। गोलेशा सिनेमा में 12:30 बजे गौतम घोष के साथ फेस टू फेस कार्यक्रम होगा। शाम 5:30 बजे चैम्बर भवन में 'शूटिंग लोकेशन, एंड शूटिंग फेसिलिटी इन जयपुर-राजस्थान' सेमिनार होगा। वहीं 6:0 बजे अरुण फिल्म, शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन होगा।

Give your child a chance to become a knowledge explorer for life.

## Call us.

**ADMISSIONS OPEN**

India's largest self-operated pre-school chain

**The Tree House Playgroup Centres :-**

- Agarwal Nagar, 6545111 • Ambabari: 6545118 • Banipark: 6545121 • Civil Lines: 6545120 • Durgapura: 6545119 • Jothwara: 6545122 • Khardani: 6545103 • Malviya Nagar: 6545105 • Mansarovar: 6545108 • Mauliपुरा: 6545107 • Pratap Nagar: 6545106 • Raja Park: 6545104 • Sirsi Rd.: 6545102 • Shri Gopal Nagar: 6545116 • Tagore Nagar: 6545109 • Tonk Road: 6545101 • Vidhyadhar Nagar: 6545110 • Vaishali Nagar: 6545117

**Tree House High School**

- Chordia City, Karla Nehru Nagar, AJMER ROAD, Jaipur, Tel.: 6545112 / 2250929
- Janpath, SHYAM NAGAR, Jaipur, Tel.: 6545114 / 6545115

For enquiries call your nearest center | write to us at: [contact@treehouseplaygroup.net](mailto:contact@treehouseplaygroup.net)  
SMS 'TREE' to 5670

# Now showing: From Pune to Jaipur

## FILM

The Jaipur International Film Festival has been seeing increasing participation from the city's filmmakers. As the festival is still seeking entries, The GUIDE chatted with city filmmakers whose work featured in the previous edition about the experience

### KARTIKI NITIN LAWATE

kartiki.lawate@mid-day.com

The 2013 edition of the Jaipur International Film Festival is all set to start. Last year, the festival featured more than 10 participants who submitted a documentary, an animation film as well as short films. The films had been sent from the Pune University-Film and Media Department, Film Television Institute of India (FTII) and Symbiosis.

Swapnil Moghe, whose short film Dhuka-The Mist, was screened last year, says, "The experience of participating in the festival was nice and the people were very good. We had sent them the film and after getting selected, we got a prompt reply from them."

He was seconded by Suresh K Goswami whose documentary My Hero was shown in the 2012 edition of the festival. "The 21 minute documentary is on the physically challenged children and how they achieve their targets," he says.

Hanu Roj, founder of the festival, said, "The purpose of this festival is to promote new movie makers, ensure an exchange of knowledge, information, ideas and culture between India and other nations in context of their social and cultural ethos. JIFF also promotes friendship and co-operation among people of the world through the medium of films and documentaries. Till date, the mission

of our festival was to reach as many film makers as possible, and to invite them to the glorious Pink City. With the participation of 90 countries, enrollment of 1,397 films and screening of 217 films in JIFF and 26 films in The Merchant (Film Market), we are heading in the right direction. We started with merely one screen and this year we are having as many as 11 screens for the exhibition of JIFF films. As far as the number of persons working is concerned, it is the smallest team any festival has, and our budget has been the lowest of all the festivals in the world."

Shivangi Ranavat, who was a student of DSK Supinfocom, Pune, said that participating was a learning experience. Her team was the only team that had sent an animated film titled Little Gypsy, for the festival.

Dharmendra Narain, director, FTII, said "Festivals are good for students. They offer a platform for students to showcase their works to a larger audience and gain recognition once they get entry into the festival. This is a good opportunity for all students to flourish in their field."

**AT Chamber Bhavan, ground floor, Rajasthan Chamber of Commerce and Industry, Ajmeri Gate, MI Road, Jaipur. CALL 91-141-6500601**

**> For Feature Film & World Premier**

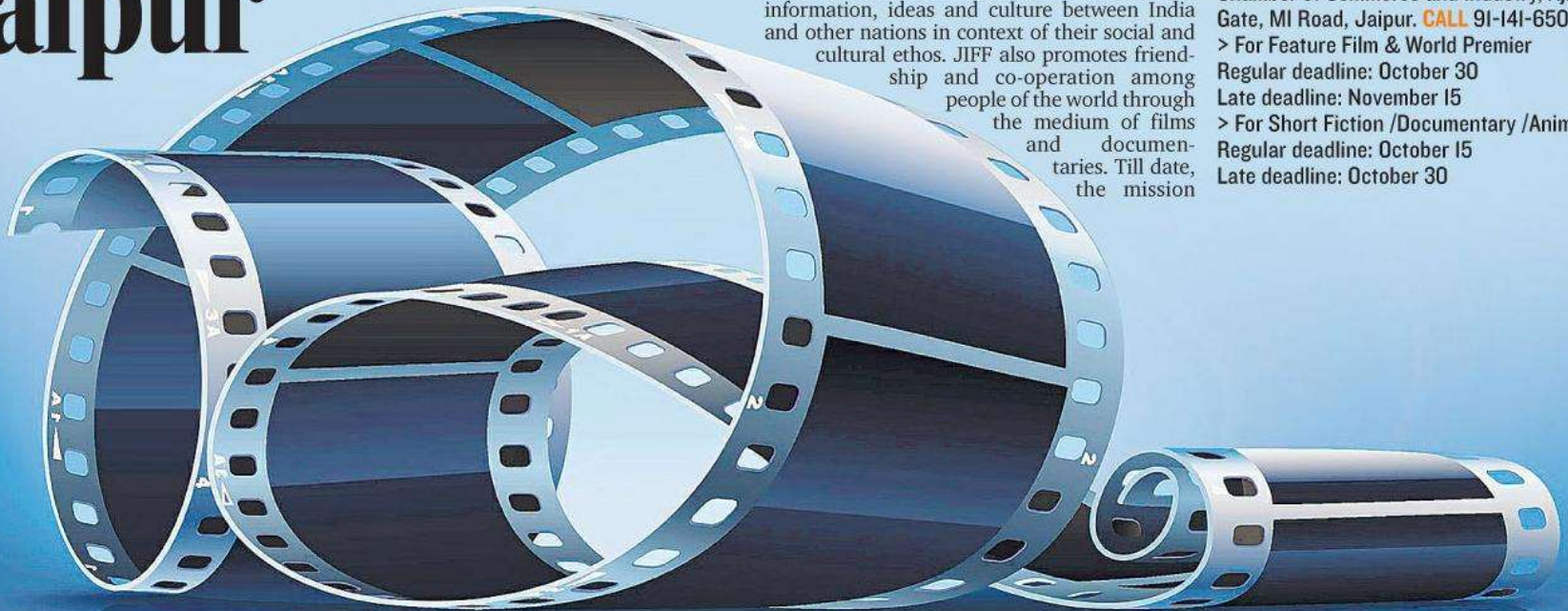
**Regular deadline: October 30**

**Late deadline: November 15**

**> For Short Fiction /Documentary /Animation:**

**Regular deadline: October 15**

**Late deadline: October 30**









Good weather and good location, both are equally important for the success of a festival and Jaipur has both of them. –

**Jagmohan Mundra,**  
**Film maker**

राजस्थान की संस्कृति, पर्यटन, कला, मेले, महल बहुत ही खूबसूरत हैं जिफ इसे और बढ़ावा देगा.

**-शर्मिला टैगोर**

JIFF can become one of the finest film festivals of the world and I do wish for the same.

**-Marc Baschet, Oscar Winner**

JIFF has an option after The Cannes.

**- Govind Nihalani, Film maker**

It is advisable to make Rajasthan a film archive to explore the possibilities in this state.

**–Jaya Bachchan**

According to my viewpoint, it is utterly a beautifully festival. Here you will get nothing less than a family atmosphere.

**-Andrew Vial, Australian Filmmaker**



दर्शक  
क्या कहते हैं:-



स्पेन में जिन्दगी ना मिले दोबारा की शर्टींग के बाद एकदम पर्यटन के क्षेत्र में इजाफा हुआ, यश राज चोपरा को स्वीट्जरलेण्ड सरकार ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा. राजस्थान के पास सम्भावनाएं और प्लेटफोरम ज्यादा है. और जिफ इसके लिये एक बहुत बडा विकल्प है.

## जिफ वर्तमान में विश्व का एक श्रेष्ठ फिल्म समारोह है.

जिफ की एक छोटी सी यात्रा का तुलनात्मक अध्ययन

### नेशनल फिल्म अवार्डस:

महज 5 साल में 90 देशों तक पहुंच का विश्व कीर्तिमान.....जिफ 2013 तक जिफ में अवार्डेड 10 भारतीय फिल्मों को उसी श्रेणी में नेशनल फिल्म परस्कार, और इस साल एक साथ 8 नेशनल फिल्म अवार्ड और एक साथ जिफ 2013 को 11 स्क्रिन पर आयोजित करना का भारतीय रिकार्ड कायम किया है.

### ऑस्कर:

इस साल एक दर्जन से ज्यादा ऑस्कर में नामिनेटेड फिल्मों का जिफ में आना महज कोई संयोग तो नहीं हो सकता...और जिफ 2013 की बेस्ट फिल्म को ऑस्कर मिला और इस साल इटली की फिल्म को, पर ये फिल्म जिफ में नहीं दिखाई जा सकी क्योंकि आजकल हर फिल्म स्क्रीनिंग का 40-50 हजार रुपये पेमेंट करना होता है जो जिफ इस साल करने में असमर्थ था.

### कांस फिल्म फ़ैस्टीवल से तुलना:

महज पांच साल के सफर को कांस फिल्म फ़ैस्टीवल से जोड़कर देखें तो इतने कम समय में 200 से ज्यादा फिल्मों की स्क्रीनिंग, 11 स्क्रीन, 90 देशों की भागीदारी कभी नहीं हुई. पिछले 3 साल से जिफ कांस से ज्यादा सिनेमा की स्क्रीनिंग कर रहा है. जिफ 2014 में 93 देशों से प्राप्त 1597 फिल्मों में से से चयनित 156 फिल्में (40 फीचर फिल्में, पिछले साल 2013 में 56 फीचर फिल्में) दिखाई गई जबकी कांस 2014 में 1800 आवेदनों में से 28 देशों की चयनित 49 फिल्में दिखाई गई हैं. इससे पता चलता है की जिफ और कांस आसपास ही है बस वहां को प्रमोशन बहुत ज्यादा है और बजट ज्यादा होने से विश्व से बड़े चेहरे वहां बहुतायत में देखे जा सकते हैं. शुरुआती दौर में कांस 1948 में आयोजित नहीं हो सका था.

### जयपुर लिटरेचर फ़ैस्टीवल से तुलना:

इस फ़ैस्टीवल में आने वाले 90% से ज्यादा विदेशी विजीटर्स वो होते हैं जो पहले से भारत में हैं जबकी जिफ में आने वाले 99% विजीटर्स जिफ की वजह से भारत और जयपुर आते हैं. जिफ का इस फ़ैस्टीवल से ज्यादा बड़ा दायरा है पूरे विश्व में. जिफ को विश्व भर में लिटरेचर फ़ैस्टीवल से ज्यादा जाना जाता है, इसे गुगल में सर्च करके देखा जा सकता है.

### इंटरनेशनल फिल्म फ़ैस्टीवल ऑफ

#### इंडिया-गोवा से तुलना:

इंटरनेशनल फिल्म फ़ैस्टीवल - गोवा कभी जिफ की तरह एक साथ 217 फिल्मों का प्रदर्शन 11 स्क्रीन पर एक साथ नहीं कर सका. ना ही चयनित फिल्मों के 95% फिल्म मेकर्स कभी भाग लेने नहीं पहुंचे. गोवा में कभी 90 देशों की भागीदारी दर्ज नहीं हुई.



## जिफ की एक छोटी सी यात्रा का तुलनात्मक अध्ययन

### जयपुर और राजस्थान को क्या?:

जिफ के बाद जयपुर को फिल्म प्रमोशन के डेस्टिनेशन के रूप में पूरे भारत में एक नई पहचान मिली है. दिल्ली-मुंबई की तरह जयपुर से भी फिल्म प्रमोशन होने लगा है. FTII का एकजाम सेंटर अब जयपुर में भी है. लोगों का ये अनुमान की क्या जयपुर में एक फिल्म फेस्टिवल खड़ा हो सकता है, अब पूरी तरह कमजोर पड़ गया है. राजस्थान के पर्यटन, कला और संस्कृति को नये आयाम मिल रहे हैं. लोगों को देश विदेश का खाश सिनेमा एक ही जगह देखने को मिल रहा है. बाहर से आने वाले लोगों से लोकल लोगों की आय में बढ़ोतरी भी होती है. अन्य व्यवसाय जैसे होटल आदि को भी फायदा मिलता है.

हम नेशनल फिल्म अवार्ड्स, कांस और ऑस्कर (ऑस्कर तो मात्र अमेरिका के लिये है, पूरी दुनिया के लिये मात्र वहां एक अवार्ड है) से उपर उठकर सोचते आये हैं. तभी तो आज इस पायदान पर जिफ को लेकर आगे बढ़े हैं.

### DOT-GOI प्लान:

सचना और प्रसारण मंत्रालय और पर्यटन विभाग भारत सरकार भारत में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये एक एम.ओ.यू के तहत काम कर रहे हैं.



दुनिया भर के फिल्म समारोह जैसे कांस, गोवा (भारत सरकार द्वारा आयोजित) समारोह भी 2-4 साल बाद बड़े कठिन दौर से गुजरे और दम तोड़ दिये, फिर से शुरु किये गये. पिछले 2 साल में जिफ के भी कमोबेश ये ही हालात बने पर टूटने नहीं दिया. हम पर तो विलियम ए. वार्ड का ये कथन चरितार्थ होता है- “कठिनाई में कुछ व्यक्ति टूट जाते हैं, कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जिनके हौंसले से पुराने रिकार्ड टूट जाते हैं”. आज कांस, गोवा फिल्म फेस्टीवल्स को आयोजित होते लगभग 60 साल से ज्यादा होने जा रहे हैं पर जिफ का ग्राफ और उपलब्धियां उनसे बेहतर है...

## क्या पाया क्या पाना है?

अगले पांच साल में बिना स्पॉसर के 2 करोड़ तक रेवेन्यु जुटाना और 1 लाख रजिस्ट्रेशन के टारगेट को प्राप्त करना जिफ का आगामी प्रमुख टारगेट है. पिछला टारगेट था जिफ को बेहतरीन फिल्म मेकर्स के साथ पूरी दुनिया में पहुंचाना. 90 देशों की पहुंच के साथ जिफ ने इस टारगेट को प्राप्त किया है.



# जिफ 2022

## तारिखें

07-11 जनवरी, 2022

प्रातः 11 से सांय 6:00 बजे तक

@ INOX GT CENTRAL JAIPUR

# गेस्ट, जुरी और प्रोग्राम

दिसम्बर 2021 के अंत तक  
घोषित किये जाने की सम्भावना है

विश्व की बेहतरीन ज्युरी जिसने तय किये अवार्ड और मिला सम्मान विश्व भर में.

विश्व भर में सबसे ज्यादा फोलो की जाने वाली प्रोग्रामिंग जिफ से.

और मेहमान तो आखिर मेहमान होते हैं...



# जिफ परिवार

## **FOUNDER DIRECTOR**

Mr. Hanu Roj

## **JIFF WORKING COMMITTEE**

Mr. Vinod Kumar

Mr. Shubham Pareek

Mr. Aman Kudi

200 + Preview committee and Jury members from all over the world

## **ADVISORY BOARD (ORGANIZATION/S)**

Rajasthan Chambers of Commerce of Industry (RCCI)

## **JIFF Advisory Committee Member**

Mr. Shyam Sundar Jalani, Film Distributor, Jaipur

Mr. Subhas Kapoor, Film Director

Mr. K. C. Malu, Chairman, Veena Music Pvt. Ltd.

Mr. Gauhar Raza, Film Maker

Mr. Dr. G.L. Sharma, Director, Jaipur Heart Institute

Mr. Rakesh Andania, Documentary Film Maker, New Delhi

Ms. Dimpal Kharbanda, Creative Director, Mumbai

## **ORGANIZING COMMITTEE MEMBER**

Dr. Satish Batra, De. Director, BVB, Jaipur Kendra, Jaipur

Dr. Vidhyasagar Uppadhyaya, Eminent Artist, Jaipur

Dr. Ish Munjal, President, Chiktsa Prakosth, PCC, Rajasthan

Dr. Sanjeev Bhanawat, HOD, Centre for Mass Communication, RU, Jaipur

Dr. Urvashi Sharma, Professor, Rajasthan University, Jaipur

Mr. V P Chakrovorty, Photographer, Ajmer

Dr. Rakesh Raipuriya, Educationist, Jaipur



बिल्कुल, आप भी भागीदार बन सकते हैं.

क्या मैं भी भागीदार  
बन सकता हूँ ?





क्या आप भी  
मेरी यात्रा के  
साथी  
बनना चाहते हैं?

मेरा पिछला आयोजन जनवरी 7 से 11 तक 2017 में हुआ. ये नवां वर्ष था.

मेरा आगाज विश्व प्रसिद सिनेमा हॉल राजमन्दिर में हुआ.

इस आयोजन में 100+ देशों से प्राप्त 1807 फिल्मों में से चयनित 159 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया.

लगभग 20000 लोग इस आयोजन में शरीक हुये.

मैं प्रतिवर्ष आयोजित होते रहूंगा.

2020 में मेरा 13वां संस्करण होगा. ये आयोजन जनवरी 15 से 19 तक 2021 तक होगा.

मैं विश्व में श्रेष्ठ होना चाहता हूं. जिफ टीम इसके लिये मेहनत कर रही है.

क्या आप भी मेरी यात्रा और श्रेष्ठता के साथी बनना चाहते हैं?



अब तक आप सब मुझे आगे बढ़ाने में सहयोगी रहे

BSNL, Mahima Group



Automobile Partner  
**Mahindra**  
Rise.

Exclusive Partner  
**UDB**  
UNIQUE DREAM BUILDERS  
Expect More

Medical Partner  
**Fortis Escorts**  
JAIPUR

Outdoor Partner  
**N'S**  
No. 1 Creative Outdoor Agency of India

Event Partner  
**sam**  
movies

Radio Partner  
**98.3 FM**  
**RADIO MIRCHI**  
www.radiomirchi.com

News Partner  
**2**  
मरुघरा



Click to submit,  
**Withoutabox.**

Click to submit digitally  
**FBI screeners.com**  
Film Bank International, LLC



**CinemadaMare**  
The biggest gathering of young filmmaker in the world



Canada

Iran

Spain, South Africa,  
Germany, Austria

Viscera Film Festival, USA

Poland

International Screenwriter's  
Association, Hollywood

www.shortz-tv.com

# Fanfare, talk sessions & awards galore at this glitzy film festival in the Pink City

In a star-studded ceremony, the Jaipur International Film Festival (JIFF) 2020 was held at the Maharana Pratap Auditorium on Friday.

Rajasthan Chief Minister Ashok Gehlot attended the event as the chief guest. He talked about the significance of Bollywood and how the film festival has further expanded cinema. State Tourism Minister Vishvendra Singh was also present as the special guest.

The festival, organised by Jaipur International Film Festival Trust and Aryan Roy Foundation, is supported by Tourism Department, Government of Rajasthan. Prominent faces from the cinema world, including Prem Chopra, Shaji N Karun, Abbas Tyrewala, TP Agrawal and Australian filmmaker Andrew Vial, attended the event. Filmmakers from 25 countries, including Sri Lanka, Japan, US, UK, China, Japan, and France, were spotted at the do.

Prem Chopra delivered his famous dialogue, "Prem naam hai mera, Prem Chopra," and the fans couldn't be more thrilled. The actor, who has displayed his magic in over 380 films in 60 years, received the Evergreen Star Achievement Award at the opening ceremony. While Director-cinematographer Shaji N Karun was honoured with the Outstanding Lifetime Achievement Award.



Prem Chopra receiving the Evergreen Star Achievement Award; Left - Right: Rajiv Arora, Hanu Roy, Rajasthan CM Ashok Gehlot, Prem Chopra, Vishvendra Singh, Shaji N Karun

"With this film festival, we hope to promote the culture of films," said Hanu Roy, founder and Director, JIFF. He added, "The journey has just started, and we will be coming with many new projects in the coming years."

On the occasion, Jaipur Film Market was also organised at hotel Clarks

Amer, which was anchored by actress Deeya Dey, Saurabh Verma, CMO, INOX, Carter Pilcher, Head of Shorts TV, USA, Paniglotis Tsimpras, actor and Saurabh Vishu, filmmaker were also present at the event.

Talk sessions with experts on topics including rapid growth of digital media in filmmaking, experimentation in films, shooting locations and facilities for the film industry in Rajasthan and help from the government regarding the shooting of films were hosted.

The closing of the festival will witness an award ceremony this evening at 5pm at Inox GT Central. The main attraction on the day would be *Sun Rises from The East Pole*, a 92-minute-long feature film from China, directed by Phenotx Dong.

<< International delegates and visitors at the film festival



Sun Rises From The East Pole, a feature film from China



ये कुछ शब्द और चित्र हैं जो आपने देखे, पढ़े और महसूस किये...

आगे की यात्रा के साथ फिर मुलाकात का विश्वास दिलाता हूं...

उम्मीद है आप मेरी विकास यात्रा और श्रेष्ठता के लिये सघर्षरत समय के सहयोगी बनेंगे..





Lead the World through  
art & creativity

# 24 x 7 हेल्पलाईन

अधिक या किसी भी तरह की जानकारी के लिये कॉल करें या लिखें



Jaipur International Film Festival

F1, T-138, , Narayan Vihar

Near SBI & Bhakhar Paradise

Gopalpura Bypass Road, Jaipur – 302 020

Rajasthan, INDIA

Web: - [www.jiffindia.org](http://www.jiffindia.org)

Mob: 91+8003937981, 9828934481

HELLOJIFFINDIA@GMAIL.COM, [info@jiffindia.org](mailto:info@jiffindia.org)



Thanks  
धन्यवाद